सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 02 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 2 फरवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

धैर्य एक गुण है और मैं धैर्य सीख रहा हूं। यह एक कठिन सबक है।

– इलोन मस्क

लखनऊ कैंट से बृजेश पाठक ने भरा... 8 | उत्तराखंड में सीएम धामी, पूर्व... 3 | मांग पर बुजुर्गों और दिव्यांगों को... 7

भाजपा पर बरसे अखिलेश, कहा

यह है किसानों का चुनाव

» बजट को लेकर लोगों को भ्रमित कर रही भाजपा

» जनता में है प्रदेश सरकार के खिलाफ आक्रोश

» सपा खत्म करेगी नकारात्मक राजनीति मजबूत करेगी कानून व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा के पहले चरण के चुनाव प्रचार के लिए शामली पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पहले चरण का चुनाव किसानों का चुनाव है। यह वह इलाका है जहां का किसान जागरूक भी है और समझदार भी। किसानों को रास्ता दिखाने का काम चौधरी चरण सिंह ने किया। उनके संघर्ष से किसान जागरूक हुए। यह भाईचारा बनाम भाजपा चुनाव है। आज यूपी के लोग निगेटिव पॉलिटिक्स को हटाना चाहते हैं। सपा नकारात्मक राजनीति को खत्म करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के प्रति लोगों में इतना आक्रोश है कि भाजपा नेताओं को गांवों में तिरस्कार का सामना करना पड़ रहा है। बजट के नाम पर भाजपा लोगों को भ्रमित कर रही है। हीरा सस्ता करने से कितने गरीबों को लाभ होगा। गठबंधन भाईचारा को बढ़ाएगा। मैं कर्मचारी संगठनों को भरोसा दिलाता हूं कि सपा सरकार बनने पर पुरानी पेंशन बहाल होगी। तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देंगे। किसानों के लिए सिंचाई मुफ्त होगी। भाजपा सरकार ने बिजली महंगी की है। विद्युत उत्पादन नहीं बढ़ाया। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। गन्ना भुगतान नहीं किया गया। भाजपा के लोग डरा कर चुनाव कराना चाहते हैं। कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए अगर फोर्स बढ़ानी होगी तो बढ़ाएंगे। जो भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा का सफाया तय: जयंत चौधरी

रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि जिन लोगों ने किसानों का सम्मान नहीं किया उनका जाना तय है। युवा वोटर भी हमारे साथ उम्मीद से आ रहा है। बजट में किसी को कुछ नहीं दिया गया। रोजगार के लिए कुछ नहीं है। मनरेगा के बजट में कमी की गयी। यह अन्याय है। डबल इंजन की मार किसान और नौजवानों को पड़ रही है। भाजपा को बड़ी शिकस्त मिलने वाली है।

सपा ने केशव मौर्य के खिलाफ पल्लवी पटेल को उतारा चुनाव मैदान में

फाजिलनगर से ताल ठोकेंगे स्वामी प्रसाद, लखनऊ की सरोजनी नगर सीट से अभिषेक मिश्रा को टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने आज अपने उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की। सूची में तीन उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। सरोजनीनगर से पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा को सपा ने टिकट दिया है। वहीं भाजपा से सपा में आए स्वामी प्रसाद मौर्या इस बार कुशीनगर की फाजिलनगर से चुनाव लड़ेंगे। सपा ने उनकी सीट बदल दी है। स्वामी प्रसाद मौर्या 2017 में पडरौना सीट से जीते थे। वहीं सपा ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ सिराथू से अपना दल (कमेरा) की अध्यक्ष कृष्णा पटेल की बेटी और अनुप्रिया पटेल की बहन पल्लवी पटेल को मैदान में उतारा है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

यूपी टाइप वाले बयान पर निर्मला सीतारमण को प्रियंका ने घेरा, बोलीं

प्रदेश की जनता का अपमान कर रहीं वित्त मंत्री

» कांग्रेस ने शुरू किया यूपी मेरा अभिमान अभियान

» वित्त मंत्री ने राहुल गांधी की बजट पर की गयी टिप्पणी को लेकर दिया था बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के यूपी टाइप वाले बयान पर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने वित्त मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि वित्त मंत्री ऐसा कहकर यूपी की जनता का अपमान कर रही हैं। उन्होंने यूपी के लोगों को बजट में कुछ नहीं दिया है, कम से कम प्रदेश की जनता का अपमान न करें।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने निर्मला सीतारमण पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया। उन्होंने लिखा निर्मला सीतारमण जी आपने यूपी के लिए बजट के झोले में कुछ डाला नहीं, ठीक है लेकिन यूपी के लोगों का इस तरह अपमान करने की क्या जरूरत थी? समझ लीजिए, यूपी के लोगों को यूपी टाइप होने पर गर्व है। हमको यूपी की भाषा, बोली, संस्कृति व इतिहास पर गर्व है। साथ ही कांग्रेस ने ट्विटर पर ही यूपी मेरा अभिमान की शुरुआत भी कर दी। यूपी कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर लिखा गया निर्मला सीतारमण ने अपने शर्मनाक बयान से न सिर्फ यूपी के बौद्धिक इतिहास और चेतना को बल्कि समूचे प्रदेश की जनता को अपमानित किया है। यूपी की जनता इस अपमान का बदला जरूर लेगी।

क्या है पूरा मामला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि मोदी सरकार का बजट शून्य है। इसमें सैलरी क्लास, मिडिल क्लास, गरीब-वंचित, युवाओं, किसानों और एमएसएमई सेक्टर के लिए कुछ भी नहीं है। बजट बाद हुई प्रेसवार्ता में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल की टिप्पणी का जवाब वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से देने को कहा। चौधरी ने कहा कि राहुल को बजट समझ में नहीं आया है। बजट में सभी सेक्टर्स के लिए घोषणाएं की गई हैं। पंकज चौधरी के जवाब को आगे बढ़ाते हुए सीतारमण ने कहा, चौधरी ने टिपिकल यूपी टाइप जवाब दिया है। मुझे लगता है यूपी से भागने वाले सांसद(राहुल गांधी) के लिए इतना ही काफी है। राहुल ने जिन कैटेगरी का जिक्र किया है, उनके बारे में मैंने बजट में कुछ न कुछ कहा है। मुझे उस पार्टी पर दया आती है, जिसके पास एक ऐसा नेता है, जो केवल टिप्पणी करना जानता है। मैं आलोचना झेलने के लिए तैयार हूं, लेकिन उनसे नहीं जो बिना होम वर्क किए आते हैं।

ब्राह्मण समाज का उत्पीड़न नहीं होगा हमारी सरकार में : अखिलेश

» ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधियों ने सपा प्रमुख को बताईं अपनी समस्याएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से कई ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधियों ने भेंट किया और उन्हें अपने समर्थन का भरोसा दिलाया। उन्होंने यादव को उनकी बाते धैर्य से सुनने और मांग पत्र में दी गई मांगों को पूरा करने का आश्वासन देने के लिए धन्यवाद दिया। ब्राह्मण समाज ने अपने मांग पत्र में कहा है कि भगवान परशुराम की जयंती पर पूर्व में दिए गए सार्वजनिक अवकाश को पुन: बहाल किया जाए। ब्राह्मण आयोग का गठन हो। ब्राह्मण एवं ब्राह्मण हितों पर हो रहे कुठाराघात को रोका जाए।

संस्कृत, कर्मकाण्ड, ज्योतिष की शिक्षक को प्रोत्साहित किया जाए। केन्द्र सरकार द्वारा सवर्णों को दिए गए 10 प्रतिशत आरक्षण का उचित अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। गरीब सवर्णों को भी सभी जरूरी सुविधाएं दी जाए। मंदिर में कार्यरत पुजारियों को जीवन यापन भत्ता दिया जाए। परशुराम जन्मस्थली का सौन्दयीकरण एवं उसको तीर्थस्थल घोषित किया जाए। लखनऊ के किसी एक प्रमुख चौराहे को परशुराम चौक के रूप में नामित कर विकसित किया जाए। ब्राह्मण समाज का उत्पीड़न बंद किया जाए तथा ब्राह्मण बेटी खुशी दुबे को रिहा कर उस पर लगे झूठे मुकदमों को वापस लिया जाए। अखिलेश यादव ने ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधिमण्डल को आश्वासन दिया कि समाजवादी सरकार बनने पर संस्कृत शिक्षकों का सम्मान होगा। मंदिरों का संरक्षण होगा। उत्पीड़न भी बंद होगा। काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारियों सहित मंदिरों के अन्य पुजारियों को भी मानदेय दिया जाएगा। रामायण के कलाकारों को भी मानदेय देंगे। श्रवण यात्रा फिर शुरू होगी। ब्राह्मणों सहित सभी पर लगे फर्जी मुकदमें वापस लिए जाएंगे। समाजवादी सरकार बनने पर पुरोहितों को भी मानदेय देंगे। यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में तीर्थ स्थलों के विकास के साथ संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया था। पूर्व की समाजवादी सरकार में संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी को 30 करोड़ की मदद दी गई थी। परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था।

सपा प्रमुख से इन लोगों ने की मुलाकात

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से भेंट करने वाले ब्राह्मण प्रतिनिधियों में विधायक विनय शंकर तिवारी, विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्रेश चतुर्वेदी, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (ब्रह्म समर्पित) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नानक चंद्र शर्मा, महामंत्री ब्राह्मण संघ हरीश शर्मा, ओम ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनंजय द्विवेदी, ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष केपी शर्मा सहित ब्रह्मदेव शर्मा, अशोक पाण्डेय, डॉ. साधना मिश्रा, सुधांशु पाठक, प्रवीण शर्मा व गौतम आदि लोग शामिल थे।

अखिलेश-शिवपाल के खिलाफ प्रत्याशी न उतार कांग्रेस ने भविष्य के लिए खोले रास्ते

कांग्रेस ने मैनपुरी की करहल सीट से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और इटावा की जसवंतनगर सीट से प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया व सपा-प्रसपा गठबंधन के उम्मीदवार शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ उम्मीदवार उतारने से परहेज किया है। ऐसा करके कांग्रेस ने भविष्य में भाजपा के खिलाफ जरूरत पड़ने पर सपा से हाथ मिलाने का स्पष्ट संकेत दिया है। हालांकि कांग्रेस ने करहल सीट पर पहले अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया था, लेकिन मंगलवार को नामांकन करने से रोक दिया। सपा और कांग्रेस दोनों का मुख्य लक्ष्य भाजपा को हराना है। बीते दिनों एक सवाल के जवाब में प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा था कि विधान सभा चुनाव के बाद यदि सपा को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने की जरूरत पड़ी तो इस पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस के इस कदम को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है।

मंत्री स्वाति सिंह का टिकट कटा, विधानसभा अध्यक्ष को भी नहीं मिला मौका

» कानून मंत्री बृजेश पाठक लखनऊ कैंट से लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कल दोपहर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों की घोषणा के बाद देर शाम भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 17 और प्रत्याशियों की सूची जारी करने के साथ ही लखनऊ की नौ विधानसभा सीटों को लेकर चल रही सभी अटकलों को विराम लगा दिया। पति-पत्नी की लड़ाई में जहां महिला कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वाति सिंह का सरोजनीनगर से टिकट कट गया है।

वहीं पार्टी ने ज्यादा उम्र के चलते विधानसभा अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित को भी फिर भगवंतनगर से चुनाव लड़ने का मौका नहीं दिया है। मंत्री आशुतोष टंडन गोपाल और चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय पर विश्वास जताते हुए पार्टी ने दोनों को उनकी पुरानी सीट से ही चुनाव लड़ाने का निर्णय किया है। आशुतोष लखनऊ पूर्व और चन्द्रिका चित्रकूट से विधायक हैं। लखनऊ कैंट से विधायक सुरेश तिवारी और बक्शी का तालाब से अविनाश त्रिवेदी का टिकट काट दिया गया है। 17 प्रत्याशियों की सूची में दलबदलुओं को भी जगह दी गई है। योगी सरकार में मंत्री स्वाति व उनके पति भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह के बीच चल रही आपसी खींचतान का आखिरकार दंपती को ही नुकसान उठाना पड़ा है।

अपर्णा यादव की दावेदारी भी हुई शांत

लखनऊ की बहुचर्चित कैंट सीट से पार्टी ने अब कानून मंत्री ब्रजेश पाठक को चुनाव लड़ाने का निर्णय किया है। ब्रजेश अभी लखनऊ मध्य से विधायक हैं। ब्रजेश की घोषणा के साथ ही कैंट सीट से भाजपा सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी और सपा छोड़कर भागवा दल में आईं मुलायम सिंह की छोटी बहू अपर्णा यादव की दावेदारी को लेकर चल रही चर्चाएं भी खत्म हो गईं। सांसद बनने से पहले रीता जोशी इसी सीट से विधायक थी। उपचुनाव में कैंट सीट से विधायक बने सुरेश तिवारी का टिकट पार्टी ने काट दिया है। अब लखनऊ मध्य सीट से नगर निगम में उपाध्यक्ष रजनीश गुप्ता प्रत्याशी बनाए गए हैं।

भाजपा सरकार में किसान बुरी तरह परेशान : जयंत

» सीएम योगी और सांसद हेमामालिनी पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मथुरा के बलदेव और मांट विधानसभा क्षेत्र में सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए जनता से वोट की अपील की। भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज भी कसे। मुख्यमंत्री योगी के गर्मी वाले बयान पर जयंत ने पलटवार करते हुए कहा कि सभी किसान, व्यापारी, मजदूर, गरीब और युवा एकजुट होकर आने वाली 10 तारीख को योगी बाबा को कंबल देकर गोरखपुर मठ में भेजने का काम करें।

जयंत चौधरी ने आरएसएस कॉलेज बलदेव में रालोद प्रत्याशी बबीता देवी के समर्थन में जनसभा में उपस्थित लोगों से हाथ उठा कर वोट मांगे। कहा कि किसान, युवा, मजदूर व व्यापार विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकना है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई आपके शान, मान, सम्मान और स्वाभिमान की है। यह चुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है। यह चुनाव चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को आगे बढ़ाने का चुनाव है। जयंत ने सभा में मौजूद लोगों से कहा कि आप सभी को एकजुट होकर राष्ट्रीय लोकदल प्रत्याशी को भारी बहुमत से विजयी बनाना है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची से सोनिया गांधी बाहर

» मनमोहन को भी जगह नहीं, अजहरुद्दीन करेंगे प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के पहले चरण के लिए कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की संशोधित सूची जारी की है। संशोधित सूची में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम शामिल नहीं हैं, जबकि पुरानी सूची का यह दोनों हिस्सा थे। कांग्रेस की पुरानी सूची में शामिल आरपीएन सिंह अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं, जबकि राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी को संशोधित सूची में जगह नहीं मिल सकी है।

इन चार लोगों के स्थान पर 30 स्टार प्रचारकों की संशोधित सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष मो.अजहरुद्दीन, पूर्व सांसद राजीव शुक्ला, राशिद अल्वी और जफर अली नकवी शामिल किए गए हैं। कांग्रेस ने जिन 30 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है, उसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, महासचिव व यूपी प्राभारी प्रियंका गांधी वाड्रा, यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, आराधना मिश्र मोना उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेंगे। लिस्ट में गुलाम नबी आजाद, अशोक गहलोत, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद, राज बब्बर, प्रमोद तिवारी, पीएल पुनिया, राजीव शुक्ला, सचिन पायलट, दीपेंद्र सिंह हुड्डा को जगह मिली है। वहीं नसीमुद्दीन सिद्दीकी, आचार्य प्रमोद कृष्णम को भी कांग्रेस ने स्टार प्रचारक बनाया है। जफर अली नकवी, कुलदीप बिश्नोई, वर्षा गायकवाड़, हार्दिक पटेल समेत 30 नेता कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिये मैदान में उतरेंगे।

उत्तराखंड में सीएम धामी, पूर्व सीएम हरीश रावत सहित दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

» कुमाऊं में सीएम और पूर्व सीएम दोनों आजमा रहे भाग्य

» मिशन-2022 फतह के लिए मिशन मोड पर प्रचार शुरू

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। विधानसभा चुनाव को लेकर उत्तराखंड में भी सियासी माहौल गर्म है। सत्ता पाने के लिए सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं मगर कुमाऊं में राजनीतिक दलों के दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। यहां से भाजपा से सीएम समेत चार कैबिनेट मंत्री चुनावी रण में उतरे हैं। वहीं कांग्रेस से पूर्व सीएम समेत तीन कार्यकारी अध्यक्ष भी चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। मिशन-2022 फतह के लिए मिशन मोड पर प्रचार शुरू हो चुका है।

चुनाव के अब 13 दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में इन दिग्गजों को खुद की सीट के साथ ही दूसरी सीटों पर भी प्रचार करना है। कम समय में यह किसी चुनौती से कम नहीं होगा। इसके अलावा पिछले चार चुनाव से तुलना की जाए तो पता चलता है कि उम्मीदवारों ने मैदान में दम दिखाने की कोशिश की लेकिन 23 छंटनी में छंट गए और 95 ने नाम वापस ले लिए। इस बार चुनाव मैदान में 632 उम्मीदवार ही बचे हैं। 2002 के चुनाव में प्रदेश में 927 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे। इनमें 855 पुरुष और 72 महिलाएं शामिल थीं। इस साल प्रति विधान सभा औसतन 13 प्रत्याशी मैदान में उतरे थे। इसके बाद, 2007 के चुनाव में प्रदेश में 785 प्रत्याशी मैदान में उतरे थे। इनमें 729 पुरुष और 56 महिलाएं शामिल थीं। इस साल प्रति विधान सभा औसतन 11 उम्मीदवार मैदान में थे। फिर, 2012 के चुनाव में प्रदेशभर से 788 प्रत्याशी मैदान में उतरे। इनमें 724 पुरुष, 63 महिलाएं और एक अन्य श्रेणी का शामिल था। इस साल चुनाव में प्रति विधानसभा औसतन 11 उम्मीदवार थे। 2017 के चुनाव में प्रदेश भर से 637 मैदान में थे, जिनमें 573 पुरुष, 62 महिलाएं व दो थर्ड जेंडर शामिल थे। प्रति विधानसभा औसतन नौ प्रत्याशी मैदान में थे। इस बार के चुनाव में 632 प्रत्याशी मैदान में रह गए हैं। इस साल भी प्रति विधान सभा औसत नौ प्रत्याशी ही हैं।

खटीमा से चुनाव लड़ रहे हैं सीएम धामी

भाजपा से सीएम पुष्कर सिंह धामी सीमांत क्षेत्र खटीमा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। धामी के सामने खुद चुनाव जीतने के साथ प्रदेश भर में जीत के लिए माहौल बनाना है। विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले पर्वतीय क्षेत्र में हर सीट पर पहुंच पाना आसान नहीं हैं। उन्हें छह महीने के सीएम का कार्यकाल और राज्य व केंद्र सरकार के कार्यों को भी बताना है। कोरोना के चलते बड़ी सभाएं संभव नहीं हैं। ऐसे में कम समय में अधिक लोगों तक पहुंचने की बड़ी चुनौती है। फिलहाल इसके लिए मिशन मोड पर चुनाव प्रचार शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही भाजपा सरकार के चार कैबिनेट मंत्रियों में डीडीहाट से बिशन सिंह चुफाल, सोमेश्वर से रेखा आर्य, कालाढूंगी से बंशीधर भगत और गदरपुर से अरविंद पांडे हैं। इन्हें भी स्टार प्रचारक के तौर पर अपने अलावा दूसरी सीटों पर भी प्रचार करने की जिम्मेदारी है। दूसरी सीटों पर पहुंचने के अलावा वर्चुअल संबोधन भी करना है।

लालकुआं सीट से ताल ठोक रहे हैं हरीश रावत

कुमाऊं की 29 सीटों में से कांग्रेस भी अधिकांश सीटें जीतने की हरसंभव जुगत में लगी है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व सीएम हरीश रावत भी कुमाऊं की लालकुआं सीट से ताल ठोके हुए हैं। वह प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस के सबसे बड़े स्टार प्रचारक हैं। इसके साथ ही तीन कार्यकारिणी अध्यक्षों में किच्छा से तिलकराज बेहड़, सल्ट से रणजीत रावत और खटीमा की वीवीआईपी सीट से भुवन कापड़ी की प्रतिष्ठा दांव पर है। पार्टी ने इन्हें बड़ा ओहदा दिया है ताकि इनकी साख भुनाई जा सके। अब यह स्थिति मिशन-2022 के लिए अब इन दिग्गजों के लिए दोहरी चुनौती है। भाजपा काफी हद तक बगावत शांत करने में कामयाब दिख रही है लेकिन भीतरघात भी चुनौती बनी हुई है। यही स्थिति कांग्रेस के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण है। इन दिग्गजों के सामने इस तरह के माहौल को शांत करने की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

चुनावी रैलियों और रोड शो पर 11 फरवरी तक रोक

विधानसभा चुनाव के बीच कोविड संक्रमण के चलते राजनीतिक दलों की बड़ी रैलियों, रोड शो की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। चुनाव आयोग ने समीक्षा बैठक कर इस रोक को 11 फरवरी तक बढ़ा दिया है। तब तक प्रदेश में किसी भी राजनीतिक दल के रोड शो, पद यात्रा, साइकिल, बाइक, वाहन रैली को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि आयोग ने कुछ राहतें भी दी हैं। इसके तहत हर जिले के डीएम की ओर से निर्धारित खुली जगह पर अब 1000 लोगों की क्षमता के साथ जनसभा की जा सकेगी। पहले यह आंकड़ा 500 का था। इसमें कोविड प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य होगा। अब नेता डोर टु डोर प्रचार में 10 के बजाए 20 लोगों को साथ लेकर जा सकेंगे। नियमों के हिसाब से इसके 48 घंटे पहले यानी 12 फरवरी से चुनाव प्रचार पर रोक लग जाएगी।

पहले चरण का चुनाव बड़ी चुनौती पश्चिमी यूपी पर भाजपा की नजर

» केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी संभाला मोर्चा

» डोर-टू-डोर प्रचार कर रहे सीएम समेत अन्य नेता, विपक्षी दलों से होगी कड़ी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर प्रदेश का सियासी पारा तेजी से चढ़ता जा रहा है। दस फरवरी को पहले चरण का चुनाव होना है। किसान आंदोलन के कारण भाजपा को यहां अपना पिछला प्रदर्शन दोहराना बड़ी चुनौती है। किसानों और मतदाताओं को साधने के लिए भाजपा के दिग्गज नेता पश्चिमी यूपी को मथने में जुटे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। डोर-टू-डोर प्रचार अभियान किया जा रहा है। यहां विपक्षी दलों से भाजपा को कड़ी टक्कर मिल रही है।

पिछले विधान सभा चुनाव में ब्रज में शामिल आगरा, मथुरा और अलीगढ़ सहित 11 जिलों की 58 में 53 सीटों पर 2017 में भाजपा को एतिहासिक सफलता मिली थी जबकि बसपा और सपा को दो-दो और रालोद को एक सीट मिली थी। इस बार भाजपा के लिए पुराना प्रदर्शन दोहराना एक बड़ी चुनौती है। आगरा पहले चरण में सबसे ज्यादा सीटों वाला जिला है। यहां नौ विधान सभा सीटें हैं। सभी भाजपा को मिली थीं। मथुरा में पांच सीट हैं, जिनमें चार भाजपा और एक बसपा को मिली थी। अलीगढ़ में सात सीटे हैं सातों भाजपा के पास थीं। बुलंदशहर में सात में से सात और नोएडा में तीन में तीन, गाजियाबाद में पांच से पांच सीटें 2017 में भाजपा को मिली थीं। मेरठ की सात में छह सीट भाजपा और एक सपा को मिली थी। मुजफ्फरनगर की छह में से छह और हापुड़ की तीन में दो भाजपा और एक बसपा को मिली थी। बागपत की तीन सीट में से दो पर भाजपा और एक छपरौली रालोद के खाते में आई थी। शामली में एक सपा व दो भाजपा को मिली थीं। इस तरह पहले चरण में शामिल 58 में 53 सीट भाजपा, दो सपा, दो बसपा और एक रालोद को मिली थी। 2017 में मोदी लहर पर सवार भाजपा ने आगरा से लेकर बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद तक क्लीन स्वीप किया था लेकिन 2022 में माहौल अलग है। ऐसे में सीटों को बचाए रखने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक रखी है। पश्चिम में हो रहे पहले चरण के मतदान का असर आगे पूरब क्षेत्रों के मतदान पर भी पड़ेगा इसीलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री सहित तमाम दिग्गज पुराना प्रदर्शन दोहराने के लिए मैदान में मोर्चा संभाले हुए हैं।

पल-पल बदल रहे समीकरण

पल-पल बदलते समीकरणों से दिग्गज बैचेन हैं। जिन 53 सीटों पर भाजपा को 2017 में सफलता मिली थी उनमें दस सीटों पर सपा, दस सीटों पर रालोद और 18 सीटों पर बसपा, चार पर कांग्रेस व अन्य दल दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार भाजपा के लिए राह आसान नहीं होगी।

कांग्रेस है खाली हाथ

पहले चरण के जिन सीटों पर 10 फरवरी को मतदान होना है उन पर 2017 में कांग्रेस खाली हाथ रही। 58 सीटों में कहीं भी कांग्रेस का खाता नहीं खुला था। पहले चरण में शामिल पश्चिम के 11 जिले जाट, मुस्लिम के अलावा अनुसूचित वर्ग, पिछड़ा बहुल है। ब्राह्मण, क्षत्रिय के अलावा बड़ी संख्या में गैर जाटव व गैर यादव बिरादरियां इस क्षेत्र में आती हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

घटते रोजगार बढ़ती महंगाई

लॉकडाउन और पाबंदियों के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। लाखों लोग बेरोजगार हो गए। विभिन्न क्षेत्रों में जुड़े लोगों की नौकरियां चली गयीं। वहीं पहले से बेरोजगार लोगों ने समस्या को और बढ़ा दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि बेरोजगारी दर 7.9 फीसदी तक पहुंच गयी। पिछले दो सालों में दाल, चाय, रसोई गैस समेत विभिन्न वस्तुओं के दामों में बीस से चालीस फीसदी का इजाफा हो चुका है।

कोरोना काल में भारत समेत दुनिया के तमाम देशों की आर्थिक स्थिति पूरी तरह चरमरा चुकी है। मुद्रास्फीति के कारण एक ओर रोजगार घट रहे हैं तो दूसरी ओर महंगाई का ग्राफ बढ़ रहा है। आर्थिक गतिविधियों में इजाफा नहीं होने के कारण हालात बेकाबू होने की स्थिति में पहुंच चुके हैं। भले ही आम बजट में सरकार साठ लाख लोगों को नौकरी देने की बात कर रही हो लेकिन धरातल में स्थितियां ठीक नहीं हैं। देश में बेरोजगारों की फौज बढ़ती जा रही है और इसकी दर चिंताजनक स्थिति तक पहुंच चुकी है। सवाल यह है कि बेरोजगारी को नियंत्रित करने में सरकार कामयाब क्यों नहीं हो पा रही है? क्या केवल महामारी को इसकी वजह माना जा सकता है? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था ने बेरोजगारों की फौज नहीं खड़ी की है? क्या लघु और मध्यम उद्योगों का विकास नहीं होने के कारण हालात बदतर हुए हैं? क्या क्रय शक्ति को बढ़ाए बिना महंगाई को नियंत्रित किया जा सकता है? स्वरोजगार को बढ़ाने की कोशिशें कामयाब क्यों नहीं हो रही हैं? तमाम क्षेत्रों में रोजगार के साधनों को तलाशने का काम क्यों नहीं किया जा रहा है?

कोरोना ने देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका दिया है। लॉकडाउन और पाबंदियों के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। लाखों लोग बेरोजगार हो गए। विभिन्न क्षेत्रों में जुड़े लोगों की नौकरियां चली गयीं। वहीं पहले से बेरोजगार लोगों ने समस्या को और बढ़ा दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि बेरोजगारी दर 7.9 फीसदी तक पहुंच गयी। पिछले दो सालों में दाल, चाय, रसोई गैस समेत विभिन्न वस्तुओं के दामों में बीस से चालीस फीसदी का इजाफा हो चुका है। खाने-पीने और ईंधन की कीमतों ने पूरे बाजार को प्रभावित किया है। उद्योग-धंधों के ठप होने के कारण रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। अकेले पर्यटन उद्योग में लाखों लोग इससे प्रभावित हुए हैं। हालांकि सरकार ने उद्योगों को पुन: संचालित करने के लिए पैकेज दिया लेकिन वे पर्याप्त साबित नहीं हुए। इस दौरान सरकारी नौकरियों में भी भर्ती बेहद कम हुईं। इसका प्रभाव लोगों की क्रय शक्ति पर पड़ा और मांग और आपूर्ति में संतुलन बिगड़ गया है। रही सही कसर महंगाई ने निकाल दी है। जाहिर है स्थितियां लगातार बिगड़ती जा रही हैं। सरकार को चाहिए कि वह एक ओर न केवल पुराने उद्योग-धंधों को दोबारा शुरू करने के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराए बल्कि नए क्षेत्रों में रोजगार के साधनों की तलाश करे। साथ ही एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था को लागू करे जिससे व्यक्ति बेरोजगारी का दंश न झेले और रोजगार न मिलने की स्थिति में स्वरोजगार कर सके। वहीं मूल्य नियंत्रण के लिए कठोर कदम उठाए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

असंसदीय व्यवहार से बाधित लोकतंत्र

अनूप भटनागर

संसद का बजट सत्र शुरू हो गया है और मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र की तरह ही एक बार फिर इस सत्र में भी विपक्ष की ओर से सदन में जोरदार हंगामे की आशंका है लेकिन सदन में व्यवधान पैदा करने या अशोभनीय आचरण के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय की तल्ख टिप्पणियां उनकी सदन नहीं चलने देने जैसी किसी भी योजना पर पानी फेर सकती हैं। ऐसी स्थिति में सदस्यों के लिए सदन की कार्यवाही में व्यवधान पैदा करने या व्यक्तिगत हमलों पर इसका समय बर्बाद करने से पहले उच्चतम न्यायालय की हालिया टिप्पणियों पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

न्यायालय ने कहा है कि सदन में सदस्यों से राजनेता की तरह आचरण करने और सदन की गरिमा बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। संसद और विधानमंडल पवित्र स्थान माने जाते हैं। इनमें किसी प्रकार के अमर्यादित आचरण के लिए कोई जगह नहीं है। सदन की गरिमा के अनुरूप आचरण नहीं करने वाले सदस्यों के निलंबन के संबंध में शीर्ष अदालत भी मानता है कि सत्र की शेष अवधि से अधिक का निलंबन करना और सदस्य की अनावश्यक अनुपस्थिति उसके बुनियादी लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन होगा। ऐसी स्थिति में मामूली गठबंधन या मामूली बहुमत वाली सरकार को सदन में अलोकतांत्रिक तरीके से विपक्षी दलों की संख्या में बदलाव का मौका मिल सकता है। कोर्ट का कहना है कि इस तरह के निलंबन से सदन में संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व भी प्रभावित होता है। महाराष्ट्र में ऐसा ही कुछ हुआ था। दरअसल, देश और राज्यों में इस समय गठबंधन सरकार या मामूली बहुमत वाली सरकारों का दौर है। ऐसी स्थिति में हंगामा करने वाले सदस्यों को अगर चालू सत्र से ज्यादा समय के लिए निलंबित कर दिया जाए तो निश्चित ही सरकार को सदन में विपक्ष की संख्या कम करने में सफलता मिल सकती है। इसे किसी भी तरह से लोकतांत्रिक नहीं माना जा सकता है। शीर्ष अदालत ने इसी आधार पर पिछले सप्ताह महाराष्ट्र विधान सभा से भाजपा के 12 सदस्यों का एक साल के लिए निलंबन रद्द किया और संसदीय कामकाज में व्यवधान व सदस्यों को नियंत्रित करने के संदर्भ में कुछ गंभीर टिप्पणियां की। न्यायालय की टिप्पणियां लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखने वाले संवेदनशील व्यक्तियों को परेशान कर सकती हैं क्योंकि सदन हंगामा करके कामकाज को बाधित करने का नहीं बल्कि रचनात्मक कार्यों और जन-कल्याण

योजनाओं पर चर्चा करने और उन्हें मूर्त रूप देने वाला पवित्र स्थान है। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि न्याय के मंदिर के रूप में अदालत की तरह ही संसद और विधान सभा देश की जनता के लिए न्याय का प्रथम और पवित्र स्थान है, जिसकी गरिमा की रक्षा जरूरी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान समय में सदन में होने वाली घटनाएं और सदस्यों के आचरण मौजूदा सामाजिक ताने-बाने को ही दर्शाती हैं। न्यायालय ने कहा कि अब अक्सर यह सुनने में आता है कि सदन अपना निर्धारित कामकाज नहीं पूरा कर सका। इसका अधिकांश समय रचनात्मक और ज्ञानवर्धक बहस की बजाय तंज कसने और व्यक्तिगत हमलों में बर्बाद हो गया। आम जनता में भी कुछ इसी तरह की धारणा बनती जा रही है और यह पर्यवेक्षकों के लिए निराशाजनक स्थिति है। यह भी कि संसद और विधानमंडल पवित्र स्थान हैं और इनमें आचरण मर्यादित रहे। संसदीय लोकतंत्र में सदन के सदस्यों के हंगामेदार आचरण के संदर्भ में न्यायपालिका से क्या इससे इससे ज्यादा कठोर टिप्पणी की अपेक्षा की जाती है। शायद नहीं। यह समय है कि बजट सत्र के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष मौजूदा हालात पर गंभीरता से विचार करें और सदन में लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप अपनी असहमतियों का प्रदर्शन करते हुए गरिमामय आचरण पेश करके जनता को आश्वस्त करें कि वे देश और समाज की समस्याओं के प्रति गंभीर हैं। न्यायालय ने कहा है, 'सदन का कामकाज सुचारु तरीके से सुनिश्चित करने के लिए ऐसे आचरण से सख्ती से निपटा जाना चाहिए लेकिन सदस्यों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई नियमों, संवैधानिक प्रावधानों और कानून की प्रतिपादित प्रक्रिया के अनुरूप होनी चाहिए।'

उम्मीद है कि संसदीय लोकतंत्र में सदन में सदस्यों के अशोभनीय आचरण और हंगामे की वजह से दैनिक कामकाज प्रभावित होने के बारे में देश की शीर्ष अदालत की इन टिप्पणियों का सरकार, संसद और विधान सभा के सदस्य, पीठासीन अधिकारी संज्ञान लेंगे। प्रतिपक्ष से भी उम्मीद की जाती है कि वे लोकतांत्रिक तरीके से सरकार की नीतियों और रवैये के खिलाफ अपनी असहमति व्यक्त करेंगे लेकिन यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके आचरण से सदन और विधान सभा का कामकाज प्रभावित नहीं हो।

चुनौती बनती जा रही बढ़ती आर्थिक असमानता

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों वीडियो कांफ्रेंस के जरिये आयोजित विश्व आर्थिक मंच के दावोस एजेंडा शिखर सम्मेलन के दौरान पेश गैर सरकारी संगठन 'ऑक्सफैम' की रिपोर्ट 'इनइक्वलिटी किल्स' के अनुसार कोरोना महामारी के दौर में अमीर जहां और अमीर होते जा रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दौरान भारत के अरबपतियों की कुल सम्पत्ति बढ़कर दोगुने से अधिक हो गई और इस दौरान भारत में अरबपतियों की संख्या भी 39 फीसदी बढ़कर 142 हो गई है। देश के दस सर्वाधिक अमीर लोगों के पास इतनी सम्पत्ति है, जिससे पूरे ढाई दशकों तक देश के हर बच्चे को स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दी जा सकती है। आर्थिक असमानता पर आई इस रिपोर्ट के मुताबिक 142 भारतीय अरबपतियों के पास कुल 719 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सम्पत्ति है और देश के सबसे अमीर 98 लोगों की कुल सम्पत्ति भारत के 55.5 करोड़ सबसे गरीब लोगों की कुल सम्पत्ति के बराबर है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महामारी के दौरान सबसे धनी 10 फीसदी लोगों ने राष्ट्रीय सम्पत्ति का 45 फीसदी हिस्सा हासिल किया जबकि निचले स्तर की 50 फीसदी आबादी के हिस्से मात्र छह फीसदी राशि ही आई। रिपोर्ट में सरकार से राजस्व सृजन के प्राथमिक स्रोतों पर पुनर्विचार करने तथा कर प्रणाली के अधिक प्रगतिशील तरीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए सुझाव दिया गया है कि इन अरबपतियों पर वार्षिक सम्पत्ति कर लगाने से प्रतिवर्ष 78.3 अरब अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जिससे सरकारी स्वास्थ्य बजट में 271 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। कोरोना महामारी के इस दौर में एक ओर जहां करोड़ों लोगों के काम-धंधे चौपट हो गए, लाखों लोगों की नौकरियां छूट गई, अनेक लोगों के कारोबार घाटे में चले गए, वहीं कुछ ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्हें इस महामारी ने पहले से कई गुना ज्यादा मालामाल कर दिया है। आंकड़े देखें तो भारत में मार्च 2020 से नवंबर 2021 के बीच देश के 84 फीसदी परिवारों की कमाई में कमी आई और 4.6 करोड़ लोग तो अत्यंत गरीबी में चले गए। इस बीच जितने लोग पूरी दुनिया में गरीबी के दलदल में फंसे, भारत में यह संख्या उसकी आधी है। एक ओर जहां गरीबों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है, वहीं भारत में अब इतने अरबपति हो गए हैं, जितने फ्रांस, स्वीडन तथा स्विट्जरलैंड को मिलाकर भी नहीं हैं। अति धनाढ्य वर्ग तथा अत्यंत गरीबी में फंसे लोगों के बीच की चौड़ी होती खाई अन्य कमजोर वर्गों को भी प्रभावित कर रही है। आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है और विश्व बैंक पहले ही चेतावनी दे चुका है कि दस करोड़ से ज्यादा लोग चरम गरीबी में धकेले जा सकते हैं। विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बढ़ती आर्थिक असमानता काफी चिंताजनक है क्योंकि बढ़ती विषमता का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाई देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियां पैदा होती हैं। करीब दो साल पहले भी यह तथ्य सामने आया था कि भारत के केवल एक फीसदी सर्वाधिक अमीर लोगों के पास ही देश की कम आय वाली सत्तर फीसदी आबादी की तुलना में चार गुना से ज्यादा और देश के अरबपतियों के पास देश के कुल बजट से भी ज्यादा सम्पत्ति है।

'फोर्ब्स' पत्रिका की अरबपतियों की सूची में सौ से भी ज्यादा भारतीय हैं जबकि तीन दशक पहले तक इस सूची में एक भी भारतीय नाम नहीं होता था। हालांकि देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात होनी चाहिए लेकिन गर्व भी तो तभी हो सकता है, जब इसी अनुपात में गरीबों की आर्थिक सेहत में सुधार हो। बहरहाल, ऑक्सफैम की रिपोर्ट में मांग की गई है कि धनी लोगों पर उच्च सम्पत्ति कर लगाते हुए श्रमिकों के लिए मजबूत संरक्षण का प्रबंध किया जाए। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि देश के शीर्ष धनकुबेरों पर महज डेढ़ फीसदी सम्पत्ति कर लगाकर ही देश के कई करोड़ लोगों की गरीबी दूर की जा सकती है लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह कार्य इतना सहज नहीं है।

बौद्ध धर्मगुरू दलाईलामा तथा ईसाई धर्मगुरू पोप फ्रांसिस सहित कुछ अन्य प्रमुख हस्तियां भी बढ़ती आर्थिक असमानता पर निशाना साधते हुए कह चुकी हैं कि अत्यधिक धन पिपासा समाज में एक नई प्रकार की निरंकुशता को जन्म देती है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र जैसी कुछ वैश्विक संस्थाओं के अलावा कुछ देशों की सरकारें हालांकि गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए वर्षों से प्रयासरत हैं लेकिन बेहतर परिणाम सामने आते नहीं दिख रहे। 1980 के दशक की शुरूआत में एक फीसदी धनाढ्यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। आर्थिक विषमता आर्थिक विकास दर की राह में बहुत बड़ी बाधा बनती है। दरअसल, जब आम आदमी की जेब में पैसा होगा, उसकी क्रय शक्ति बढ़ेगी, देश की आर्थिक विकास दर भी तभी बढ़ेगी अगर ग्रामीण आबादी के अलावा निम्न वर्ग की आय नहीं बढ़ती तो मांग में तो कमी आएगी ही और इससे विकास दर भी प्रभावित होगी। हालांकि बढ़ती आर्थिक असमानता को कम करना सरकार के लिए बहुत बड़ी आर्थिक-सामाजिक चुनौती है लेकिन अगर सरकारों में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो इस असमानता को कम किया जा सकता है।

आज के दौर के लाइफ स्टाइल में शरीर में कमजोरी की दिक्कत केवल ज्यादा उम्र वाले लोगों को ही परेशान नहीं करती है. बल्कि युवा भी बॉडी में वीकनेस की दिक्कत को अक्सर फेस करते हैं, जिसकी कई कारण हो सकते हैं. इनमें ज्यादा मेहनत करना, पर्याप्त मात्रा में जरूरी न्यूट्रिएंट्स और पानी का सेवन न करना और स्मोकिंग व कैफीन की आदत होना जैसे कई वजह शामिल हैं. शरीर में कमजोरी की इस परेशानी को दूर करने के लिए लोग तमाम तरह की दवाओं और टॉनिक की मदद लेते हैं. जबकि किचन में मौजूद 5 चीजों के जरिये आप बॉडी में एनर्जी लेवल को ब?ा कर वीकनेस को दूर कर सकते हैं. तो आइये जानते हैं इन 5 चीजों के बारे में.

पनीर खायें

अगर आप वेजिटेरियन हैं तो आप पनीर, स्प्राउट्स और बीन्स जैसी चीजों की मदद भी ले सकते हैं। ये प्रोटीन रिच फूड्स हैं जिसमें मैग्निशियम की अच्छी मात्रा मौजूद होती है और इससे बॉडी को एनर्जी मिलती है।

पर्याप्त मात्रा में पानी पियें

पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने की वजह से भी आपकी बॉडी लो फील कर सकती है। इसलिए पानी जरूर पियें, ये आपको डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करेगा। वीकनेस दूर करने के लिए आप चाहें तो ग्रीन टी या ब्लैक टी का सेवन भी कर सकते हैं।

इन चीजों से वीकनेस होगी दूर

ड्राई फ्रूट्स-सीड्स लें

बॉडी की वीकनेस को दूर करने के लिए आपको ड्राई फ्रूट्स और सीड्स को अपनी डेली डाइट में शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप बादाम, पिस्ता, कद्दू के बीज, चिया सीड्स व फ्लैक्स का सेवन कर सकते हैं। इनसे आपकी बॉडी को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिल सकेंगे और वीकनेस दूर होगी।

ओटमील बेस्ट रहेगा

बॉडी को एनर्जी देने और वीकनेस से निजात पाने के लिए आप रोजाना ओटमील खायें। अगर आप इसके साथ में दूध भी लेंगे तो ये आपके लिए और भी बेहतर रहेगा। आप चाहें तो मल्टीग्रेन या ब्राउन ब्रेड भी खा सकते हैं। इससे आपकी बॉडी को कॉर्ब्स की सही मात्रा मिलेगी जिससे कमजोरी जल्द दूर होगी।

अंडे का करें सेवन

आप बॉडी के एनर्जी लेवल को बूस्ट करने के लिए रोजाना अंडे का सेवन कर सकते हैं।

केला खायें

शरीर में कमजोरी दूर करने के लिए आपको किसी भी रूप में अपनी डाइट में केला शामिल करना चाहिए। आप चाहें तो बनाना शेक बनाकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। केले में पोटैशियम, विटामिन एवं मिनरल काफी मात्रा में मौजूद होते हैं। जो आपके बॉडी की एनर्जी लेवल को ब?ाने में जल्दी मदद करते हैं।

हंसना मना है

लड़का तुम्हारा नाम क्या है? लड़की - तमन्ना लड़का - तुम्हारे पापा का नाम सरफरोशी है क्या? लड़की - क्यों? लड़का - क्योंकि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है.

मंदिर में पूजा करते समय गांव की एक लोभी महिला भगवान से बोली... भगवान, तेरे लिए एक सेकंड कितने सालों के बराबर है? भगवान बोले- करोड़ों साल के बराबर फिर महिला बोली- और करोंड़ो रुपये कितने बराबर होते हैं? भगवान बोले- रत्ती बराबर लालच से महिला बोली- एक रत्ती मुझे भी दे दीजिए भगवान बोले- एक सेकंड मंदिर में ही रूको, लाकर देता हूं.

एक शराबी छत से नीचे गिर गया. सब लोग आए और पूछने लगे क्या हुआ?? शराबी- पता नहीं भाई... मैं भी जस्ट अभी नीचे आया हूं.

बाप- बेटा तुम पढ़ाई क्यों नहीं करते..? बेटा- बंदा दो ही वजह से कुछ करता एक है डर और दूसरा है शौक..बाप- क्या मतलब है तुम्हारा...बेटा क्योंकि फालतू के शौक हम पालते नहीं और डरते हम किसी के बाप से नहीं... फिर क्या था चप्पल टूटने तक कुटाई हुई... अब बेटा डर के मारे कोने में बैठकर चुपचाप पढ़ रहा है...

कहानी — स्त्री का विश्वास

एक स्थान पर एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी बड़े प्रेम से रहते थे। किन्तु ब्राह्मणी का व्यवहार ब्राह्मण के कुटुम्बियों से अच्छा नहीं था। परिवार में कलह रहता था। प्रतिदिन के कलह से मुक्ति पाने के लिये ब्राह्मण ने मां-बाप, भाई-बहिन का साथ छोड़कर पत्नी को लेकर दूर देश में जाकर अकेले घर बसाकर रहने का निश्चय किया। यात्रा लंबी थी। जंगल में पहुँचने पर ब्राह्मणी को बहुत प्यास लगी। ब्राह्मण पानी लेने गया। पानी दूर था, देर लग गई। पानी लेकर वापिस आया तो ब्राह्मणी को मरी पाया। ब्राह्मण बहुत व्याकुल होकर भगवान से प्रार्थना करने लगा। उसी समय आकाशवाणी हुई कि ब्राह्मण! यदि तू अपने प्राणों का आधा भाग इसे देना स्वीकार करे तो ब्राह्मनी जीवित हो जायगी। ब्राह्मण ने यह स्वीकार कर लिया। ब्राह्मणी फिर जीवित हो गई। दोनों ने यात्रा शुरु करदी। वहाँ से बहुत दूर एक नगर था। नगर के बारा में पहुँचकर ब्राह्मण ने कहा- प्रिये ! तुम यहीं ठहरो, मैं अभी भोजन लेकर आता हूँ। ब्राह्मण के जाने के बाद ब्राह्मणी अकेली रह गई। उसी समय बारा के कुएं पर एक लंगड़ा, किन्तु सुन्दर जवान रहट चला रहा था। ब्राह्मणी उससे हँसकर बोली। वह भी हँसकर बोला। दोनों एक दूसरे को चाहने लगे। दोनों ने जीवन भर एक साथ रहने का प्रण कर लिया। ब्राह्मण जब भोजन लेकर नगर से लौटा तो ब्राह्मणी ने कहा-यह लँगड़ा व्यक्ति भी भूखा है, इसे भी अपने हिस्से में से दे दो। जब वहां से आगे प्रस्थान करने लगे तो ब्राह्मणी ने ब्राह्मण से अनुरोध किया कि-इस लंगड़े व्यक्ति को भी साथ ले लो। रास्ता अच्छा कट जायगा। तुम जब कहीं जाते हो तो मैं अकेली रह जाती हूँ। बात करने को भी कोई नहीं होता। इसके साथ रहने से कोई बात करने वाला तो रहेगा। ब्राह्मण ने कहा- हमें अपना भार उठाना ही कठिन हो रहा है, इस लँग? का भार कैसे उठायेंगे? ब्राह्मणी ने कहा- हम इसे पिटारी में रख लेंगे। ब्राह्मण को पत?नी की बात माननी प?ी। कुछ दूर जाकर ब्राह्मणी और लँगड़े ने मिलकर ब्राह्मण को धोखे से कूएँ में धकेल दिया। उसे मरा समझ कर वे दोनों आगे ब?े। नगर की सीमा पर राज्य-कर वसूल करने की चौकी थी । राजपुरुषों ने ब्राह्मणी की पटारी को जबर्दस्ती उसके हाथ से छीन कर खोला तो उस में वह लँग?ा छिपा था। यह बात राज-दरबार तक पहुँची । राजा के पूछने पर ब्राह्मणी ने कहा-यह मेरा पति है। अपने बन्धु-बान्धवों से परेशान होकर हमने देस छो? दिया है। राजा ने उसे अपने देश में बसने की आज्ञा दे दी। कुछ दिन बाद, किसी साधु के हाथों कूएँ से निकाले जाने के उपरान्त ब्राह्मण भी उसी राज्य में पहुँच गया। ब्राह्मणी ने जब उसे वहाँ देखा तो राजा से कहा कि यह मेरे पति का पुराना वैरी है, इसे यहाँ से निकाल दिया जाये, या मरवा दिया जाये। राजा ने उसके वध की आज्ञा दे दी। ब्राह्मण ने आज्ञा सुनकर कहा-देव! इस स्त्री ने मेरा कुछ लिया हुआ है। वह मुझे दिलवा दिया जाये। राजा ने ब्राह्मणी को कहा- देवी! तूने इसका जो कुछ लिया हुआ है, सब दे दे। ब्राह्मणी बोली-मैंने कुछ भी नहीं लिया। ब्राह्मण ने याद दिलाया कि-तूने मेरे प्राणों का आधा भाग लिया हुआ है। सभी देवता इसके साक्षी हैं। ब्राह्मणी ने देवताओं के भय से वह भाग वापिस करने का वचन दे दिया। किन्तु वचन देने के साथ ही वह मर गई। ब्राह्मण ने सारा वृत्तान्त राजा को सुना दिया।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है. इससे आपको मानसिक तनाव हो सकता है. आज आपकी अपने पार्टनर से मुलाकात हो सकती है. अपनी इच्छाओं को अपने

वृषभ

पार्टनर को लेकर किसी के साथ विवाद हो सकता है. प्रेम संबंधों में किसी भी तरह का कोई बड़ा फैसला ना लें. पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं. आज

मिथुन

पार्टनर को खुश करने के लिए उपहार दिया जा सकता है. खर्चे बढ़ने से, आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. आज के दिन आपकी लव लाइफ में अच्छा तालमेल रहेगा. आज के दिन शुरू हुई

कर्क

आज सिंगल लोगों की किसी खास इंसान से मुलाकात हो सकती है. पति-पत्नी के बीच आपसी सहयोग बना रहेगा. पार्टनर के साथ मनमुटाव हो सकता है. पार्टनर की

सिंह

जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें. पत्नी के साथ मांगलिक कार्यक्रम में जा सकते हैं. आज आपके प्रेमी के साथ रिश्तें मधुर होंगे. आज शुरू होने वाली रिश्ते ज्यादा समय तक नहीं

कन्या

अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है. आज प्रेम संबंधों को सुधारने का प्रयास करें, आपको सफलता मिल सकती है. प्रेमी के साथ घूमने का प्लान बन सकता है.

तुला

आज पति-पत्नी के बीच तालमेल ठीक रहेगा. पार्टनर से आपको खुशखबरी मिल सकती है. पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें. पार्टनर के साथ किसी छोटी यात्रा पर जा सकते

वृश्चिक

आज लव लाइफ को लेकर कोई बड़ा फैसला ना लें. आज किसी कारण से मानसिक तनाव हो सकता है. पार्टनर को लेकर मन में नकारात्मक ख्याल आ सकते हैं. आज के दिन शुरू हुई

धनु

पति-पत्नी में अपनी बात मनवाने को लेकर बहस या विवाद जैसी स्थिति भी बन सकती है. कोई बाहरी व्यक्ति जिंदगी में दखल दे सकता है. एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर

मकर

किसी काम से शहर से बाहर जा सकते है. जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखें. पति-पत्नी के बीच परिवार को लेकर मनमुटाव हो सकता है. कारोबारी प्रतिस्पर्धा में यदि आगे निकलना है तो

कुम्भ

लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं. आप किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं. जिससे घर में खुशियों का माहौल

मीन

पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आ सकती है. लव लाइफ से जु?ा कोई ब?ा फैसला ले सकते हैं. दोस्ती प्यार में बदल सकती है. आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल

बॉलीवुड | मन की बात

जीत पर सवाल उठाने वालों को तेजस्वी प्रकाश ने जमकर कोसा

बिग बॉस 15 ऐक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश की जीत के साथ ही खत्म हो गया। 30 जनवरी को हुए ग्रैंड फिनाले में तेजस्वी प्रकाश ने इस सीजन की ट्रॉफी और 40 लाख रुपये जीते। वहीं प्रतीक सहजपाल फर्स्ट रनर-अप रहे। तेजस्वी की जीत के बाद से ही इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। एक तरफ जहां फैंस ने मेकर्स पर पक्षपात करने का आरोप लगाया, वहीं कुछ सेलेब्स ने भी तेजस्वी की जीत पर सवाल उठाए। गौहर खान से लेकर अनीता हसनंदानी, काम्या पंजाबी और करण नाथ ने कहा कि प्रतीक सहजपाल को जीतना चाहिए था। अब इस पर बिग बॉस 15 विनर तेजस्वी प्रकाश का रिऐक्शन आया है। तेजस्वी प्रकाश ने हमारे सहयोगी ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, मेरा मानना है कि मुझे शो के फॉर्मेट और जनता से मिल रहे प्यार में विश्वास करना चाहिए। यह साफ जाहिर है कि मुझे ज्यादा वोट मिले। जिन लोगों को इस सीजन के परिणाम पर डाउट है, उन्हें पिछले सीजनों के परिणामों पर भी सवाल उठाना चाहिए। और फिर मैं भला क्यों उम्मीद करूं कि लोग मेरी जीत का जश्न मनाएं? मेरी फैमिली और मुझे खुश होना चाहिए। फैंस को खुश होना चाहिए कि उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई। मेरे हेटर्स को क्यों खुश होना चाहिए? मेरे हेटर्स तो मेरी जीत से हमेशा ही दुखी होंगे। उन्हें दुखी होने का हक भी है। हर कोई मुझे प्यार नहीं करने वाला। मैं कोई आइसक्रीम नहीं हूं। मैं एक इंसान हूं। बिग बॉस 15 में ही तेजस्वी प्रकाश को एकता कपूर का शो नागिन 6 ऑफर किया गया। इस शो में तेजस्वी सर्वश्रेष्ठ शेष नागिन के रोल में दिखेंगी। कुछ लोगों को लग रहा था कि तेजस्वी को नागिन 6 की वजह से जिताया गया है। इस बारे में पूछे जाने पर तेजस्वी बोलीं, मुझे ऐसा लगता है कि नागिन 6 मुझे इसलिए ऑफर किया गया था क्योंकि मैं बिग बॉस में अच्छा काम कर रही थी। अगर मैंने बिग बॉस नहीं जीता होता तो भी मुझे नागिन ऑफर होती। मेरी जीत मेरी जीत है, मुझे नागिन मिला है, इसलिए मुझे जिताया नहीं है। ऐसे नहीं चलता।

18 को रिलीज हो सकता है अक्षय और कृति की फिल्म बच्चन पांडे का ट्रेलर

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस साल उनकी बैक टू बैक कई बड़े बजट की फिल्में रिलीज होने वाली हैं। अब अक्षय की फिल्म बच्चन पांडे के ट्रेलर रिलीज को लेकर जानकारी सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि फिल्म का ट्रेलर 18 फरवरी को रिलीज किया जा सकता है। पिंक विला की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म का ट्रेलर फिल्म की रिलीज डेट से एक महीने पहले यानी 18 फरवरी को रिलीज किया जाएगा। क्योंकि 18 फरवरी को फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला का बर्थडे भी है। वहीं रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 18 अक्षय कुमार का लकी नंबर है और इसी को ध्यान में रखते हुए फिल्म के ट्रेलर को रिलीज किया जाएगा। बता दें कि इस फिल्म में अक्षय कुमार खूंखार गैंगस्टर के किरदार में नजर आने वाले हैं।

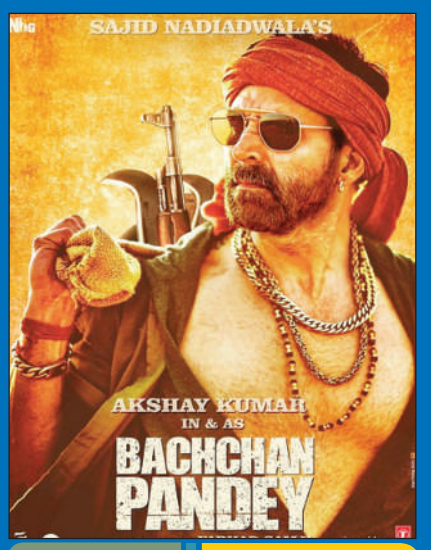

बॉलीवुड | मसाला

रूपाली गांगुली बनीं सबसे ज्यादा फीस लेने वाली टीवी ऐक्ट्रेस

टीवी की दुनिया में जिसने पिछले एक-डेढ़ साल से TRP में अपनी टॉप पर जगह बनाई हुई है वह अनुपमाही है। इस सीरियल की कहानी और किरदार, दोनों ही कमाल के हैं। अब चाहे वह अनुपमा का किरदार निभा रहीं रूपाली गांगुली हों, वनराज के रोल में सुधांशू पांडे या फिर काव्या का नेगेटिव रोल कर रहीं मदालसा शर्मा। सभी को दर्शकों का भरपूर प्यार और सम्मान मिल रहा है। और इस बात को भी झुठलाया नहीं जा सकता है कि कहानी के मुताबिक पात्रों को चुन-चुन कर लाने में मेकर्स की मेहनत नहीं।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

इस शो की कहानी की खास बात ये है कि इसमें कोई एक्सट्रा ड्रामा नहीं दिखाया जाता। जो एक मिडिल क्लास फैमिली में होता आया है और देखा गया है, उसी के इर्द-गिर्द इसकी भी कहानी बुनी गई है। लीड रोल में नजर आने वाली रूपाली गांगुली ने भी बखूबी अपने किरदार को निभाया है। उसके साथ इंसाफ किया है। और शायद यही वजह है कि वह अब टीवी की हाई पेड ऐक्ट्रेसे बन गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूपाली गांगुली को डेढ़ लाख रुपये प्रतिदिन के हिसाब से दिए जाते थे। हालांकि यह रोज के हिसाब से एक बड़ा अमाउंट था। लेकिन सीनियर ऐक्ट्रेस होने के नाते ज्यादा फर्क नहीं पड़ा।

अजब-गजब | गूगल मैप पर भी नहीं दे रहा दिखाई

अचानक गायब हो गया 22 किलोमीटर लंबा कुक आइलैंड

करीब ढाई सौ साल पहले अस्तित्व में आया एक एक आइलैंड के अचानक से गायब होने की खबर है बताया जा रहा है कि अब ये आइलैंड गूगल मैप पर भी दिखाई नहीं दे रहा है. इस आइलैंड की खोल साल 1174 में की गई थी. दरअसल, जेम्स कुक नाम के एक शख्स ने साल 1774 में एक प्रशांत महासागर में एक आइलैंड के होने का दावा किया था। तब उस आइलैंड का नाम उसी के नाम पर कुक आइलैंड रखा गया था लेकिन बाद में उस आइलैंड को सैंडी आइलैंड नाम दिया गया। लेकिन अब शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रशांत महासागर में इस तरह का कोई आइलैंड था ही नहीं। इसके बाद गूगल मैप से भी इस आइलैंड को हटा दिया गया। बता दें कि इस आईलैंड के रहस्यमयी होने की वजह से प्रेत द्वीप भी कहा जाता था। हालांकि जब शोधकर्ताओं ने इस आईलैंड की सच्चाई बताई, तो लोगों के होश उड़ गए। पहले इस आईलैंड को गूगल पर देखा जा सकता था, लेकिन जब शोधकर्ताओं ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि यह आईलैंड नहीं है, तो गूगल ने भी मैप से इसे हटा दिया। बता दें कि सैंडी

आइसलैंड (Sandy Island) ऑस्ट्रेलिया में समुद्र तट पर स्थित था. एक दावे के मुताबिक, इस आईलैंड को सबसे पहले साल 1774 में जेम्स कुक ने खोजा था। जेम्स कुक ने संभावना जताई थी कि इस आइसलैंड की लंबाई 22 किलोमीटर और चौड़ाई 5 किलोमीटर है। वेलोसिटी नाम के शिप ने भी साल 1876 में सैंडी आइलैंड के मौजूद होने का दावा किया गया था। सबसे बड़ी बात ये है कि बिट्रेन और जर्मनी ने अपने 19वीं सदी के मानचित्रों में भी इस आईलैंड के होने का दावा किया था। हालांकि बाद में कई लोगों की तरफ से इस आईलैंड को लेकर आशंका भी जताई गई। फ्रेंच हाइड्रोग्राफिक सर्विस की तरफ से इस आइलैंड को समुद्री मानचित्र से साल 1979 से हटा दिया गया। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च के दौरान नवंबर 2012 में पाया कि यह आईलैंड है ही नहीं। वैज्ञानिकों ने इस जगह समुद्र की गहराई नापी, तो पता चला कि गहराई 4,300 फीट से ज्यादा नहीं थी। यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी की मुख्य भूविज्ञानी मारिया सेटन का कहना था कि किसी तरह की गलती हुई होगी। इसके बाद एक पेपर भी प्रकाशित किया गया था जिसमें इस बात की पुष्टि की गई कि सैंडी आईलैंड था ही नहीं।

2 साल पहले भूतिया गुड़िया को घर ले आया शख्स, रोती है एसिड के आंसू!

इस दुनिया में कई रहस्यमी चीजें हैं। इनमें कुछ भूत प्रेत से जुड़े किस्से भी हैं। हालांकि कई लोग भूत प्रेत में विश्वास नहीं करते। वहीं कुछ लोगों ने भूत प्रेत से जुड़ी चीजें देखने के दावे किए हैं। इस बीच एक शख्स की गुड़िया का किस्सा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस शख्स का कहना है कि वह अपने घर एक ऐसी गुड़िया ले आया, जिसमें भूत प्रेत का वास है। इस व्यक्ति का नाम मैट है और उन्हें भूत प्रेतों में शुरू से ही दिलचस्पी रही है।

मैट का कहना है कि उन्होंने यह गुड़िया 2 साल पहले खरीदी थी। यह गुड़िया मैट ने एक नीलामी में खरीदी थी। घर आते ही गुड़िया ने अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए और अब ये शख्स हर वक्त इस गुड़िया पर नजर रखता है। मैट का कहना है कि उसने दो पहले इस एनी नाम की गुड़िया को लाकर घर में रखा था। मैट का कहना है कि उन्होंने यह गुड़िया अमरीका में नीलामी में खरीदी थी। यह गुड़िया एक ऐसे घर से मिली थी, जहां आग लगने के बाद सब मर गए थे। मैट का कहना है कि इस गुड़िया के अंदर उसके मालिक की आत्मा कैद है। साथ ही शख्स का दावा है कि इस गुड़िया में अलग-अलग हरकतें दिखाई देती रहती हैं। वह गुड़िया को 10 हजार रुपए में खरीदकर अपने साथ यूनाइटेड किंगडम लेकर आ गया। साथ ही उसका कहना है कि उन्हें पैरानॉर्मल एक्यूपमेंट्स से इस बात का एहसास हुए कि उसके पुराने मालिक की आत्मा आज भी इससे जुड़ी हुई है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार मैट का दावा है कि इस भूतिया गुड़िया पिछले ने पिछले साल ही रोना शुरू कर दिया था। उसके ये आंसू उसके पुराने मालिक से लगाव के चलते बह रहे थे। साथ ही शख्स ने दावा किया है कि इस गुड़िया की आंखों से एसिड के आंसू निकलते हैं और इससे ये पता चलता है कि उसके पुराने मालिकों ने अपनी मौत स्वीकार नहीं की है और वे भूत बन गए हैं। मैट का कहना है कि एक बार तो गुड़िया ने खुद को जलाने की भी कोशिश की थी। इसके बाद से मैट इस गुड़िया को कांच के बॉक्स में रखता है। साथ ही वह हर वक्त उस गुड़िया पर नजर रखता है।

मांग पर बुजुर्गों और दिव्यांगों को घर बैठे मिलेगी वोटिंग की सुविधा, तैयारियां तेज

» फार्म 12 डी भरकर करनी होगी डिमांड, वोटिंग कराने घर जाएंगे पीठासीन अधिकारी

» वाराणसी में ऐसे मतदाताओं को किया जा रहा चिन्हित, डबल लॉक में रखा जाएगा बैलेट बॉक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। विधान सभा चुनाव की तैयारी जिले में शुरू हो चुकी है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर दिव्यांगजन व अस्सी वर्ष व इससे ऊपर के बुजुर्ग वोटरों को मांग पर बैलेट पेपर के जरिए घर में वोटिंग की सुविधा दी गई है।

वाराणसी में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश के क्रम में ऐसे मतदाताओं को चिह्नित किया जा रहा है। जिले में इसके लिए अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान पांच फरवरी तक चलेगा। इस दौरान बीएलओ चिन्हित मतदाताओं के घर जाकर फार्म डी भरवाएंगे। बुजुर्ग व दिव्यांग वोटर इस फार्म के जरिए घर पर वोटिंग की सुविधा के लिए बैलेट पेपर की डिमांड करेंगे। जिले में अस्सी प्लस वाले वोटरों की संख्या 42763 है। वहीं दिव्यांग वोटरों की संख्या 26415 है। बुजुर्ग व दिव्यांग वोटर अगर फार्म 12 डी की डिमांड करेगा तो उसी वक्त मतदाता सूची में निशान लगा दिया जाएगा। साथ ही 12 डी लिख दिया जाएगा। नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण होते ही ऐसे लोगो को बैलेट पेपर के जरिए वोटिंग कराने की प्रक्रिया

शुरू हो जाएगी। फार्म 12 डी भरने वाले वोटरों के घर स्वयं पीठासीन अधिकारी बैलेट पेपर लेकर जाएंगे। साथ में बीएलओ व स्थानीय पुलिस व वीडियोग्राफी की टीम भी होगी। वोटिंग के दौरान परिवार के सदस्य व अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि की मौजूदगी नहीं रहेगी। हालांकि, इसकी जानकारी राजनीतिक दलों को भी दी जाएगी। साथ ही राजनीतिक दल के बीएलई मौजूद रह सकते हैं। दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं के वोटिंग के बाद बैलेट पेपर सीधे कोषागार के डबल लॉक में रखने की व्यवस्था है। वोटिंग के गिनती के दौरान इसे मतगणना स्थल पर ले आया जाएगा। मतगणना स्थल पर पहले से बैलेट पेपर के मतों की गिनती के लिए अलग से टेबल होगा। इसी टेबल पर मतगणना कर्मी इन वोटों की गिनती करेंगे।

हर बूथ पर मतदाता को मिलेगी जरूरी सुविधाएं

वाराणसी। विधान सभा चुनाव में इस बार प्रत्येक बूथ पर एएमएफ (एश्योर्ड आफ मिनिमम फैसिलिटी) की सुविधा रहेगी। इसमें आठ सुविधाओं को शामिल किया गया है। इसमें सिग्नल, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, मदद को स्वयंसेवक, हेल्प डेस्क, दिव्यांजन के लिए रैंप, बिजली व्यवस्था, वोटर सुविधा पोस्टर शामिल किया गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर इस व्यवस्था को यहां भी अमल में लाए जाने के निर्देश पहले ही जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा की ओर से दिए जा चुके हैं । बकायदा इसकी जिम्मेदारी विधानसभावार तैनात आरओ को दी गई है। सभी को निर्देशित किया गया है कि बूथों का सत्यापन कर लें। निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराएं। यह सुविधाएं न रहने पर कार्रवाई भी हो सकती है।

कांग्रेस को झटका पूर्व मंत्री जगमोहन सिंह आप में शामिल

» सीएम चन्नी के खिलाफ प्रचार करने का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के गृह विधान सभा खरड़ में कांग्रेस की मुसीबतें बढ़ गई हैं। कांग्रेस से टिकट न मिलने से निराश वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री जगमोहन सिंह कंग ने पार्टी को अलविदा कह आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया है। इलाके के युवा नेता जसविंदर सिंह जस्सी ने बतौर आजाद उम्मीदवार नामांकन कर दिया है।

पंजाब में 20 फरवरी को मतदान है। मंगलवार को नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख थी। खरड़ विधानसभा हलके में समीकरण उस समय बदल गए जब कांग्रेस के पूर्व दिग्गज नेता जगमोहन सिंह कंग ने आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। छात्र राजनीति से कांग्रेस से जुड़े कंग तीन बार विधायक व मंत्री भी रह चुके हैं। कांग्रेस पार्टी से टिकट कटने के बाद जगमोहन सिंह कंग ने बगावत शुरू कर दी थी। उनका सीधा आरोप है कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने साजिश कर उनका टिकट कटवाया है। उन्होंने चरणजीत सिंह चन्नी के चुनाव क्षेत्र में एक प्रेसवार्ता भी की थी। जिस दिन से कांग्रेस ने विजय शर्मा टिंकू को अपना उम्मीदवार बनाया, उसी दिन से वह आप नेता राघव चड्ढा के संपर्क में थे। आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में जगमोहन सिंह कंग और उनके पुत्र यादवेंद्र सिंह कंग ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। अब वह खरड़ विधान सभा में कांग्रेस उम्मीदवार विजय शर्मा टिंकू को आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर चुनौती देंगे। कंग का कहना है कि सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के हाथ अवैध रेत के काले धंधे से रंगे हैं।

सोते समय किसान की हत्या से सनसनी

» चल रहा था जमीनी विवाद पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। किसान की खेत में सोते समय ईंट से कूचकर हत्याकर दी गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। उसका जमीनी विवाद चल रहा था।

राम बहादुर पटेल पुत्र छोटे लाल पटेल निवासी इब्राहिमपुर लाल गोपालगंज, नवाबगंज का रहने वाला है। बीती रात वह घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर स्थित खेत में सोने के लिए गया हुआ था। तभी अज्ञात हत्यारों ने ईट से सिर को कूचकर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गये। सुबह होने पर परिजन व ग्रामीणों को राम बहादुर का शव घर के पास खेत में मिला तो गांव में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों का गांव के ही कुछ लोगों से जमीनी विवाद चला आ रहा है। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए भेज दिया।

बजट से मध्यम वर्ग और गरीब हुए मायूस

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो आम बजट 2022 पेश किया, उससे मध्यम वर्ग खासा नाराज है। मध्यम वर्ग टैक्स स्लैब में बदलाव की उम्मीद लगाए बैठा था लेकिन मोदी सरकार ने टैक्स में कोई राहत नहीं दी है। वहीं मंहगाई पर काबू पाने, रोजगार बढ़ाने के भी कोई खास उपाय नहीं दिखे। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, सबा नकवी, उमाकांत लखेड़ा, परंजीय गुहा, प्रो. नरेंद्र ठाकुर, प्रो. मनीष कुमार, दिनेश के वोहरा व 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ लंबी परिचर्चा में।

अशोक वानखेड़े ने कहा बजट अजूबे से कम नहीं। 400 ट्रेनें शुरू होगी क्योंकि वो अडानी को दी जाएंगी। गंगा किनारे कॉरिडोर में आर्गेनिक खेती करेंगे जबकि डबल इंजन की सरकार गंगा को प्रदूषण

मुक्त नहीं कर पाई। प्रो. नरेन्द्र ठाकुर ने कहा 60 लाख नौकरियों की बात की गई, मगर उसका आधार क्या है। मोदी सरकार ने जो सपने दिखाए थे नौजवानों को, लगता है वो डिब्बे में बंद है। प्रो. मनीष कुमार ने कहा मध्यम वर्ग के लिए बजट में कोई खास ख्याल नहीं। जबकि चुनाव के समय होता है कि लोक लुभावन घोषणाएं होती हैं। मगर कृषि कानून पर आंदोलन के बाद भी किसानों की अनदेखी हुई है, यह समझ से परे हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सबा नकवी ने कहा मोदी सरकार मुस्लिम विरोधी है ही इंसान विरोधी भी है। हर बजट में ये सिर्फ कारपोरेट को फायदा पहुंचाते हैं। सरकार की नियत क्लीयर है, व्यक्ति पूजा। गरीब तो गरीब ही रहेगा। उमाकांत लखेड़ा ने कहा जो लोग महामारी में गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं, उनका क्या। बजट की विस्फोटक स्थिति है। देश को गुमराह करने वाला भाषण आज तक नहीं देखा जबकि मैंने सालों तक संसद की रिपोर्टिंग की। यह मिडिल क्लास इको सिस्टम है। डिजिटल सब हवा हवाई है।

दिनेश के वोहरा ने कहा बजट को जो अध्यन किया है बीते तीस सालों मे, उससे साफ है कि पिछले बजट की अपेक्षा सिर्फ 5 फीसदी ही इनक्रीज हुआ है, जो पूरे भारत के लिए कुछ खास नहीं है। 40 लाख करोड़ में सिर्फ 22 लाख करोड़ ही खर्च कर सकते हैं, ये है आम बजट। परंजीव गुहा ठाकुर ने कहा कृषि कानून रद्द कर दिए पर बजट में किसानों को मायूस कर दिया। बजट में कुछ खास नहीं जबकि महामारी के बाद कम से कम स्वास्थ्य पर तो फोकस करना ही चाहिए।

नहीं मिला चुनाव निशान, निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे किसान

» अब तक 102 उम्मीदवारों का किया गया है चयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी किसान यूनियनों के दल संयुक्त समाज मोर्चा को चुनाव चिन्ह नहीं मिला है। ऐसे में संयुक्त समाज मोर्चा के सभी उम्मीदवार बतौर निर्दलीय नामांकन दाखिल करेंगे। मोर्चा की तरफ से मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट किए बलबीर सिंह राजेवाल लुधियाना में नामांकन भरेंगे। मोर्चा की तरफ से अब तक 100 से भी ज्यादा उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं।

संयुक्त समाज मोर्चा ने जब चुनाव में हिस्सा लेने का मन बनाया था तो उन्होंने

आवेदन मांगें। इस दौरान 2373 लोगों ने आवेदन किया था और 102 उम्मीदवारों का चयन किया गया। अब सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि संयुक्त संमाज मोर्चा पार्टी का न ही पंजीकरण हुआ है और न ही कोई चिन्ह मिला है। बलवीर सिंह राजेवाल का कहना है कि हमें चुनाव में आने से रोकने के लिए सियासी पार्टियां जोर लगा रही हैं। राजनीतिक दल नहीं चाहते हैं कि वे चुनाव लड़े।

किसानों और कृषि की हुई उपेक्षा : टिकैत

» बजट में जो मिल रहा है उसे भी कर दिया गया कम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। बजट पर प्रतिक्रिया करते हुए भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि वित्त मंत्री के भाषण से स्पष्ट है कि यह बजट खेती के लिए नकारात्मक है। खेती में वित्तीय आवंटन को कम किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने, किसान सम्मान निधि के आवंटन में वृद्धि न करना, फसल बीमा योजना के लिए आवंटन कम करना, फसलों की खरीद के लिए प्रधानमंत्री आशा स्कीम में आवंटन घटाना, पराली न जलाने हेतु आवंटन को खत्म करना, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड को कम करना, खेती में प्रयोग होने वाली वस्तुओं जैसे बीज, कीटनाशक, खरपतवार नाशी, ट्रैक्टर सहित कृषि यंत्रों, पशुओं व पोल्ट्री फीड आदि में जीएसटी की दरों में

राहत न देने आदि से स्पष्ट है कि कृषि की बजट में इतनी उपेक्षा आजाद भारत के इतिहास में कभी नही हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए बजट रूटीन प्रकिया का हिस्सा है। इससे किसानों का कल्याण संभव नहीं है। इस बजट से यह भी स्पष्ट है कि सरकार किसानों से बदले की भावना से कार्य कर रही है। बजट में केवल अमृत महोत्सव, गतिशक्ति , ई विधा जैसे शब्दों का मायाजाल है। कृषि में पूंजी निवेश के माहौल के लिए कोई योजना नहीं है। कृषि आवंटन का बड़ा हिस्सा तनख्वाह, किसान सम्मान निधि व ब्याज की सब्सिडी पर खर्च होगा। इसमे नया कुछ भी नहीं है। जो मिल रहा था बजट में उसे भी कम कर दिया गया है।

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ कैंट से बृजेश पाठक ने भरा पर्चा, बोले-

यहां की जनता भाजपा के साथ

» सपा प्रत्याशी अनुराग भदौरिया और गोमती यादव ने बीकेटी से किया नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में कानून मंत्री बृजेश पाठक ने लखनऊ कैंट सीट से आज नामांकन किया है। बृजेश पाठक आज सुबह कलेक्ट्रेट कार्यालय लखनऊ पहुंचे, वहां अपने समर्थकों संग पर्चा दाखिल किया। पर्चा दाखिल करने से पहले उन्होंने कहा कैंट की जनता हमारे साथ है। अपना वोट बेकार नहीं करेगी, बल्कि भाजपा के पक्ष में ही वोट करेगी। वहीं बख्शी का तालाब विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी गोमती यादव के अलावा अनुराग भदौरिया ने भी पर्चा भरा है। बसपा से सलाउद्दीन ने नामांकन किया है।

इससे पहले कल देर शाम भारतीय जनता पार्टी में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की थी, इस लिस्ट में कई बड़े नामों के गायब होने से राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा है। जहां भाजपा ने महिला कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वाती सिंह का सरोजिनी

अनुराग भदौरिया, सपा

गोमती यादव, सपा

सलाउद्दीन सिद्दीकी, बसपा

नगर से टिकट काट दिया है तो वहीं समाजवादी छोड़कर पार्टी में शामिल हुईं अपर्णा यादव को टिकट नहीं दिया, बल्कि उनकी जगह यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक को टिकट दे दिया गया। माना जाता है कि अपर्णा यादव ने लखनऊ कैंट से चुनाव लड़ने में गहरी दिलचस्पी दिखाई थी। बृजेश पाठक फिलहाल लखनऊ के मध्य विधानसभा से विधायक हैं। खबरों की मानें तो पार्टी बृजेश पाठक जैसे नेता को लेकर रिस्क नहीं लेना चाहती। पाठक ने 2017 विधानसभा चुनाव के वक्त बसपा छोड़ी थी और भाजपा में शामिल हुए थे। लेकिन तब से अब तक उन्होंने भाजपा के एक बड़े ब्राह्मण चेहरे के तौर पर अपनी जगह बना ली है।

भाजपा का ब्राह्मण वोटों पर निशाना

लखनऊ कैंट निर्वाचन क्षेत्र में ब्राह्मणों का वर्चस्व है, जबकि अपर्णा यादव एक बिष्ट राजपूत हैं, जिनकी शादी मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी के बेटे से हुई है। इसलिए भाजपा ने ब्राह्मण वोटों को भी ध्यान में रखते हुए लखनऊ कैंट से बृजेश पाठक को टिकट दिया है। कहा जा रहा है कि ब्राह्मणों की एक बड़ी संख्या राजपूतों को कथित रूप से उनसे अधिक महत्व देने के लिए भाजपा से खफा है। इसलिए ब्राह्मण वोट पार्टी से और दूर न हो जाए, भाजपा ने कैंट से पाठक को उतारने का फैसला किया।

हिंदुओं की सरकार में हिंदुओं का पलायन कैसे : संजय सिंह

» यूपी में चलेगी झाड़ू, सत्ता से बाहर होगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य व उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने मेरठ में कहा कि हिंदुओं की सरकार में हिंदुओं का पलायन हुआ कैसे। पहले मुंह पर कालिख पोतें और इस्तीफा दें फिर कैराना के पलायन पर बात करें। कहा कि भाजपा के अहंकार व सत्ता की भूख को जनता झाड़ू चलाकर उतारेगी। मेरठ में आप नेता ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के पास काम गिनाने को नहीं है।

वे जिन्ना-जिन्ना कर रहे हैं और किसान गन्ना-गन्ना कर रहे हैं। दूसरे दलों ने अपराधियों को टिकट दिए। आप ने बेदाग प्रत्याशी उतारे। व्यापारी मनीष गुप्ता की हत्या मेरठ के व्यापारी भी नहीं भूलेंगे। संजय सिंह ने कहा आप की सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली फ्री, पुराने बिल

पूंजीपतियों के पक्ष में है बजट

बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय सिंह ने कहा कि यह आम आदमी के खिलाफ है। यह पूंजीपतियों के पक्ष में है। देश की सरकार आम आदमी के खिलाफ है। बजट जनता के हित में नहीं, बल्कि देश की सरकारी संपत्ति बेचने वाला है। न तो किसान, रोजगार की बात हुई और न ही कर्मचारी के हित में। जनता को हिंदू-मुस्लिम के नाम पर नहीं, बल्कि विकास, रोजगार, भ्रष्टाचार के मुद्दों पर वोट देना चाहिए।

माफ, 24 घंटे बिजली, 5000 रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता,10 लाख नौकरी हर साल, माता-बहनों को प्रतिमाह 1000 रुपये, दिल्ली की तर्ज पर शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देंगे।

आजमगढ़ में निषाद पार्टी के प्रत्याशी पर केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ जिले की अतरौलिया सीट से निषाद पार्टी के प्रत्याशी बनाए गए प्रशांत सिह उनके समर्थकों सहित अज्ञात 70 लोगों पर आचार-संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। निषाद पार्टी के प्रत्याशी पर आचार-संहिता के उल्लंघन व कोरोना गाइडलाइन का पालन न करने का आरोप है। एक दिन पूर्व प्रत्याशी ने जनसंपर्क व भीड़ इकट्ठा कर नारेबाजी की गई थी, जिसका संज्ञान लेकर यह कार्रवाई की गई। इससे पूर्व भी जिले में बड़ी संख्या में लोगों के विरूद्ध आचार-संहिता के उल्लंघन के मामले में कार्रवाई की जा चुकी है। जिले की अतरौलिया सीट पर उड़नदस्ता टीम प्रथम के प्रभारी राम आशीष सिंह ने अतरौलिया थाने में निषाद पार्टी व अज्ञात 70 लोगों के विरूद्ध आचार संहिता उल्लंघन व कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करते हुए इकट्ठा होकर नारेबाजी करने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया है।

आजीवन भाजपा में रहूंगी, पति से कोई विवाद नहीं : स्वाति सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के सरोजनी नगर से टिकट कटने के बाद पहली बार योगी सरकार में राज्य मंत्री स्वाति सिंह का बयान सामने आया है। स्वाति ने कहा कि वह भाजपा छोड़कर कहीं नहीं जा रहीं हैं। आजीवन भाजपा में ही रहेंगी। स्वाति ने पति के साथ विवादों की खबर का भी खंडन किया। कहा कि उनका पति दयाशंकर सिंह के

साथ कोई विवाद नहीं है। कॉन्फ्रेंस में स्वाति सिंह ने कहा मेरे रोम-रोम में भाजपा है। मैं यहीं यूं और यहीं रहूंगी, यहीं मरूंगी। स्वाति सिंह ने साफ किया है कि वह भारतीय जनता पार्टी को नहीं छोड़ रही हैं। बेवजह मीडिया के जरिए मुद्दे को तूल दिया जा रहा है।

सरोजनी नगर सीट पर भाजपा-सपा में कांटे का मुकाबला

» राजेश्वर सिंह और अभिषेक मिश्रा दोनों देंगे एक-दूसरे को टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने लखनऊ की सरोजनी नगर सीट पर सुपर कॉप से नेता बनने जा रहे राजेश्वर सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं अभिषेक मिश्रा को सपा ने उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में भाजपा और सपा में कांटे का मुकाबला हो गया है क्योंकि दोनों ही टक्कर के खिलाड़ी है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय के जॉइंट डायरेक्टर रहे राजेश्वर सिंह की वीआरएस मंजूरी के 24 घंटे के अंदर ही बीजेपी ने

लखनऊ के सरोजनी नगर से टिकट दे दिया।

राजेश्वर सिंह ने वीआरएस का ऐलान किया तो सबसे पहले चर्चा हुई कि वह गाजियाबाद की साहिबाबाद सीट से चुनाव लड़ेंगे। फिर चर्चा हुई कि राजेश्वर सिंह अपने गृह जनपद सुल्तानपुर की सदर सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं लेकिन सुल्तानपुर की सदर सीट का इतिहास और वोटरों का अंकगणित राजेश्वर सिंह के लिए फिट नहीं था।

सरोजनी नगर का जातिगत गणित

राजेश्वर सिंह जिस सरोजनी नगर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, वह लखनऊ की वह विधानसभा सीट है, जिसमें ग्रामीण और शहरी वोटर दोनों हैं। लखनऊ एयरपोर्ट इसी विधानसभा में आता है। एक जमाने में सरोजनी नगर विधानसभा ग्रामीण विधानसभा मानी जाती थी लेकिन मौजूदा परिदृश्य में ग्रामीण वोटरों से ज्यादा शहरी वोटरों की संख्या है। जातिगत वोट बैंक की बात करें तक इस सीट पर दलित वोट बैंक सर्वाधिक पौने दो लाख है। दूसरे नंबर पर लगभग 1.5 लाख वोटर ओबीसी है। 50 हजार के लगभग ब्राह्मण वोटर हैं। 70 हजार क्षत्रिय वोटर और लगभग 30 हजार मुसलमान वोटर हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।